STD : VII - II Language - Hindi

PAGE:
DATE:

August Month Notes:

Portions:

कविता - लीक पर वे चलें
पाठ - निष्ठुर अनुकंपा Pg No - 168
निबंध - मधुर वाणी
चित्र वर्णन - Page No - 189
पत्र लेखन - अनौपचारिक पत्र Page No - 173-74

पाठ - निष्ठुर अनुकंपा

I मौखिक प्रश्नोत्तर :

क) परिवार के निर्वाह का साधन सहिजन का पेड़ था जिसकी फलियों को तोड़कर बेचा जाता था।

ख) कुंजाडिन ने बताया कि आजकल सहिजन की माँग नहीं है, बाज़ार में लाभ नहीं मिलता।

ग) आमदनी का एकमात्र सहारा सहिजन के पेड़ को कट दिए जाने पर भाइयों के लिए नौकरी करना आवश्यक हो गया।

घ) कुलीन परिवार के चारों भाई काम-काज करने लगे जिससे एक वर्ष में परिवार की आर्थिक

PAGE:
DATE: / /

दशा अच्छी हो गई।

II लिखित प्रश्नोत्तर:

क) कुलीन परिवार के सदस्यों के नौकरी न करने से घर की गरीबी दिनोंदिन बढ़ती गई। आखिर में कुछ भी न बचा और खाने-पीने के लाले पड़ने लगे।

ख) रिश्तेदार के सामने भोजन के समय बड़े भाई ने सोमवार का व्रत होने का बहाना बनाया। दूसरे भाई ने कहा कि पेट में दर्द उठ रहा है, डॉक्टर ने खाने को मना किया है। तीसरे ने दोस्त के यहाँ दावत में जाने की बात कही।

ग) कुँजड़िन के चले जाने पर मेहमान ने सोचा कि यह इतना अच्छा, प्रतिष्ठित खानदान है। झूठी और बनावटी इज्ज़त के खयाल से ये नौजवान लड़के खाने-पीने की तकलीफ़ बरदाश्त कर रहे हैं।

घ) माँ कहने लगी कि अगर मेहमान को हमारी हालत पर तरस आ रहा था तो आठ-दस मन अनाज भेज देते,

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE:

हमारे परिवार के एकमात्र सहारे सहिजन के पेड़ को क्यों काट डाला।

ङ) भाइयों ने उनसे कहा कि अपने उस दिन हमारा सहिजन का पेड़ नहीं काटा, मानो हमारी काहिली और बदकिस्मती काटकर फेंक दी। आपने पेड़ काटकर हमारी गिरी हुई किस्मत को ही ऊँचा उठा दिया।

घटनाक्रम के अनुसार क्रम दीजिए:

4, 3, 5, 1, 6, 2, 7

सही विकल्प चुनकर लिखिए:

क) अपनी खानदानी इज्ज़त के कारण

ख) पेड़ को जड़ के पास से काटकर गिरा दिया।

ग) उसकी प्रेम से खातिरदारी की।

भाषा ज्ञान:

1. क) पुल्लिंग ख) थाली - स्त्रीलिंग

ग) पेड़ - पुल्लिंग घ) दोस्त - पुल्लिंग

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE: / /

ङ) फलियाँ - स्त्रीलिंग च) इज्जत - स्त्रीलिंग

2. क) में ख) में ग) और घ) और ङ) में च) और

3. ख) अतिथि ग) पुश्तैनी

घ) कर्मठ ङ) प्राचीन / पुरातन

च) विश्वसनीय छ) कृतज्ञ ज) कटुभाषी

4. ज़ - मेज़, कागज़, प्याज़, ज़बरदस्ती, रज़

फ़ - तूफ़ान, तरफ़, फ़ौरन, फ़न, फ़ायदा

5. मैं अगले सप्ताह कानपुर जाऊँगा।

यदि चाहो तो तुम भी चलो।

वह कानपुर पहले ही पहुँच चुका है।

6. क) दयनीय ख) दूध ग) धनी घ) दूसरी

7. क) मेहमान फिर उनके घर आया।

ख) बड़े भाई ने मुँह पर हाथ रखकर कहा।

ग) पेड़ पर चिड़िया बैठी है।

घ) उसके प्राण निकल गए।

Scanned with OKEN Scanner

DATE :

कविता - लीक पर वे चलें

I कंठस्थ कविता - 1-8 lines

II मौखिक प्रश्नोत्तर :

क) कवि कमज़ोर और हारे हुए लोगों को लीक पर चलने के लिए कह रहा है।

ख) कवि ने अपने द्वारा बनाए रास्तों का साक्षी पीले बाँस के झुरमुट को कहा है।

ग) कवि को आकाश के मेघ गायक मंडली की तरह थिरकते हुए-से लग रहे हैं।

III लिखित प्रश्नोत्तर :

क) कवि को ऐसे रास्ते प्यारे हैं जो उन्होंने स्वयं बनाए हैं और पहले नहीं थे।

ख) कवि के सपने पीले बाँस के झुरमुट में गाती हवा से लिपटे हुए हैं।

ग) कविता में ताड़ के पेड़ों को खड़े होकर

PAGE:
DATE: / /

आकाश थामे हुए बताया गया है। उनकी तुलना क्षितिज की लटकती झालरों से की गई है।

घ) कवि अपने संकल्प के सहारे जीवित हैं।

सही विकल्प चुनकर लिखिए:

क) गीत गा रही है ख) ताड़ के पेड़

ग) शुष्क ताल का एक अँजुरी जल

भाषा ज्ञान:

1. पर्याय लिखकर वाक्य फिर से लिखिए:

क) कवि को स्वयं बनाए मार्ग प्यारे हैं।

ख) जो गर्व से आकाश थामे खड़े हैं।

ग) डाल पर पक्षी चहचहा रहे हैं।

घ) डाकू गौतम बुद्ध के कदमों में गिर गए।

ङ) रात मैंने एक डरावना सपना देखा।

2. वर्ण - विच्छेद लिखिए:

क) व+आ+द+य+अ ख) अ+ल+ह+अ+ड+अ

Scanned with OKEN Scanner

ग) द्+उ+र्+ब्+अ+ल्+अ

घ) म्+अं+ड्+अ+ल्+ई

ङ) प्+र्+अ+त्+ई+क्+ष्+अ

3. शब्द बनाइए :

क) संकल्पना ख) स्वतंत्रता ग) संवैधानिक

घ) दुर्बलता ङ) सफलता च) अविश्वसनीय

V. Umakumari